रमेश गोयल को मिला जल योद्धा सम्मान 2018

मार्च 2018

पल पल न्यूज: सिरसा, 25 मार्च। पानी बचाओ जन चेतना समिति सोनीपत के तत्वावधान में विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में 'जल योद्धा सम्मान समारोह 2018 एवं जल के लिए प्रकृति के आधार पर समाधान' सेमिनार का आयोजन हिन्दू कॉलेजए, सोनीपत के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त उपायुक्त अमना तस्नीम मुख्य अतिथि, पर्यावरण प्रेरणा के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल मुख्यवक्ता, जिला परिषद सोनीपत की चेयरपर्सन मीना नरवाल विशिष्ठ अतिथि थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दू कालेज के प्रधानाचार्य डॉ. बीके गर्ग ने की। इस आयोजन में सिरसा से आरम्भ करके देश भर में जल संरक्षण की अलख जगा रहे जल स्टार रमेश गोयल (राज्द्रीय मन्त्री] पर्यावरण एवं जल संरक्षण] भारत विकास परिषद) को जल योद्धा सम्मान 2018 से सम्मानित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में गोयल ने जल के महत्व, कमी के कारणों के साथ-साथ

समाधान पर विस्तृत चर्चा की। संस्था द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र के साथ स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा जल संरक्षण के लिए हाथ उठा कर संकल्प कराया गया, वहीं विशिष्ट अतिथि नरवाल ने सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। संस्था संस्थापक व चेयरमैन सतपाल अहलावत ने सभी अतिथियों व उपस्थित लोगों का अभिनन्दन किया। संस्था अध्यक्ष मुकेश जैन ने सबका आभार व्यक्त किया।

लगभग 350 शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में जा-जा कर लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष रूप से तथा 50-60 लाख लोगों को टीवी, दूरदर्शन, रेडियो व समाचार पत्रों के माध्यम से जल बचत हेतु प्रेरित कर चुके हैं। जल बचत की धुन इतनी कि जल चालीसा लिख दी। जिसके प्रथम संस्करण का विमोचन हरियाणा के मुख्यमन्त्री द्वारा 24 अप्रैल 2012 को किया गया था। नौ संस्करणों में अब तक 45 हजार प्रतियां

---

4 पावन संसार

नई दिल्ली 23 अप्रैल 2018

विचार

टेंकरो से कब तक होगी जल आपूर्ति

हरियाणा के जन स्वास्थय अभियांत्रिकी मन्त्री डा0 बनवारी लाल ने कहा है कि हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों में जहां पानी की अधिक कमी होगी वहां टैंकरों से पानी पंहुचाया जायेगा। भारत विकास परिशद् के राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण एवं जल संरक्षण रमेश गोयल ने इस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पानी किसी मिल या फैक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता। सरकार एक स्थान से दूसरे स्थान पर पानी टैंकर से पहुंचायेगी परन्तु कब तक। उन्होंने कहा कि जब तक हम पानी को बर्बाद करना बन्द नहीं करेंगे तथा बचत करने की आदत नहीं बनायेंगे यह स्थिति बढ़ती जायेगी। उन्होंने कहा कि यह चिन्तनीय है कि लोग आज भी छिड़काव करना, पाईप लगाकर फर्श व गाड़ी धोना या

रमेश गोयल
बीडब्ल्यू–116ए, शालीमार बाग

टुंटी खुल्ली चलाये रखना बन्द नहीं कर रहे हैं जबकि प्रतिदिन समाचार पत्रों व टीवी पर जल की कमी के बारे में जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कुछ समय पूर्व महाराष्ट्र के लातुर का उदाहरण देते हुए बताया कि रेल टैंकरों से वहां पानी पंहुचाया गया था। पानी की बर्बादी के कारण ही दक्षिण अफ्रीका की राजधानी के पटाउन में 12 अप्रैल 2018 से पानी राशन में मिलेगा और वहां की सारी जल सम्बन्धी व्यवस्था सेना के सुपुर्द की दी गई है। अब वहां टुंटी बन्द करने के लिए कोई नहीं कहेगा क्योंकि 24 घन्टे टुंटी खुल्ली रहने पर भी एक बून्द पानी नहीं आएगा। निरन्तर जल सम्बन्धी कमी व बचत के उपायों को बताने वाले जल स्टार रमेश गोयल ने कहा कि भारत में पानी की कमी के लिए बैंगलोर सर्वाधिक भयानक स्थिति है और केपटाउन जैसी स्थिति के लिए बनाई गई विश्व के 11 देशों की सूचि में उसका दूसरा नम्बर है। उन्होंने कहा कि जों लोग अब भी पानी बर्बाद कर रहे हैं वे केवल अपने परिवार का ही अहित नहीं कर रहे बल्कि समाज और देश के शत्रु भी है। उन जैसे लोगों के कारण ही 2040 में भारत के हर शहर गांव में भावी पीढ़ी पानी के लिए लाईन में लगी होगी। उन्होंने अपील की कि न केवल स्वयं पानी की बचत करें यानि टुंटी खुल्ली व बेकार न बहने दें बल्कि जागरुकता अभियान से जुडकर लोगों को सचेत करें।

राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने किया जल चालीसा वीडियो का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। जल चालीसा वीडियो को लोकार्पण करते राज्यपाल प्रो . गणेशीलाल।

हिसार रोड स्थित रायल हवेली में आयोजित एक कार्यक्रम में उड़ीसा के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने जल चालीसा के वीडियो का लोकार्पण किया।

जल चालीसा के रचयिता जल स्टार रमेश गोयल ने गुरजीत सिंह मान के सहयोग से जल चालीसा का वीडियो तैयार करवाया जिसमें जल संरक्षण का पूरा संदेश है। प्रसिद्ध गायक प्रियंका ने जल चालीसा गायन किया है। राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने जल चालीसा की महत्ता बताते हुए रमेश गोयल के जल संरक्षण के लिए किए जा रहे निरन्तर प्रयास की भी प्रशंसा की और भविष्य की स्थिति को देखते हुए जल बर्बाद न करने का आग्रह किया। गोयल ने राज्यपाल गणेशीलालको जल चालीसा तथा लोकार्पित वीडियो की प्रति भेंट की। उल्लेखनीय है कि मिशन भाव से कार्यरत गोयल द्वारा रचित जल चालीसा, जो जलसंरक्षण का पूर्ण संदेश है, का विमोचन अप्रैल 2012 में प्रदेश के तात्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा किया गया था। राष्ट्रीयस्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी जल चालीसा की जून 2017 तक 9 संस्करणों में 45000 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं तथा 10वां संस्करण प्रकाशनाधीन है और 8 लाख लोगों को सोशल मिडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी है। अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने भी जल चालीसा प्रकाशित की है।

■ जल संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास की प्रशंसा की

हरी भूमि 31-08-2018

प्रो. गणेशी लाल ने किया जल चालीसा के वीडियो का लोकार्पण

पल पल न्यूजः सिरसा, 30 अगस्त। रायल हवेली में आयोजित एक कार्यक्रम में उड़ीसा के राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने जल चालीसा के वीडियो का लोकार्पण किया। जल चालीसा के रचयिता जल स्टार रमेश गोयल ने गुरजीत सिंह मान के सहयोग से जल चालीसा का वीडियो तैयार करवाया जिसमें जल संरक्षण का पूरा सन्देश है। सुप्रसिद्ध गायक प्रियंका ने बड़ी सुरीली आवाज में जल चालीसा गायन किया है वहीं विकास वीडियो विजन ने उसे सुन्दरता प्रदान की है। राज्यपाल ने जल चालीसा की महत्ता बताते हुए रमेश गोयल के जल संरक्षण के लिए किए जा रहे निरन्तर प्रयास की भी प्रशंसा की और भविष्य की स्थिति को देखते हुए जल बर्बाद न करने का आग्रह किया। गोयल ने राज्यपाल गणेशीलाल को जल चालीसा तथा लोकार्पित वीडियो की प्रति भेंट की। उल्लेखनीय है कि मिशन भाव से कार्यरत गोयल द्वारा रचित 'जल चालीसा', जो जल संरक्षण का पूर्ण सन्देश है, का विमोचन अप्रैल 2012 में हरियाणा के तत्कालिन मुख्यमन्त्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा किया गया था। राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी जल चालीसा की जून 2017 तक 9 संस्करणों में 45000 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं तथा 10वां संस्करण प्रकाशनाधीन है और 8 लाख लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी है। अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने भी जल चालीसा प्रकाशित की है। अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज चैनल डीडी न्यूज ने 2015 में इस पर विशेष फीचर प्रसारित किया था। हरियाणा के लिए 'जल स्टार अवार्ड' सहित राष्ट्रीय स्तर पर अनेक संस्थाओं ने डायमंड आफ इंडिया अवार्ड, सोशल जस्टिस बैस्ट मैन अवार्ड, जेम आफ >शेष पेज 2 पर...

जल चालीसा
विडियो विमोचन
29-8-2018

जल संरक्षण अभियान की वर्षगांठ पर रमेश गोयल को किया सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 6 मई। विवेकानन्द बाल मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा की ओर से जल स्टार रमेश गोयल को उनके जल संरक्षण अभियान की 11वीं वर्षगांठ पर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि वे जल कमी की संभावित भयावह स्थिति से बचाने में देश व समाज के लिए 'मैं क्या कर सकता हूं' के बारे में सोचते हुए 2008 में 60 वर्ष की आयु में लग गए 'जल बचत जागरूकता अभियान' में। देश भर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, कथा मंचों व अन्य लगभग 400 कार्यक्रमों में लगभग 4 लाख से अधिक विद्यार्थियों, अध्यापकों व जनता को सम्बोधित कर चुके हैं जिसमें जल के महत्व, उपलब्धता, पानी बचत की आवश्यकता व अनिवार्यता तथा बर्बादी रोकने के उपायों पर विस्तृत चर्चा करते हैं। 6 मई 2008 को इसी विद्यालय से उन्होंने अपना यह अभियान आरम्भ किया था जिसे अब राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली हुई है। विद्यालय परिवार की ओर से रामसिंह यादव व अनिता यादव ने गोयल को शाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। गोयल अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण हैं। जल की कमी के कारणों के साथ-साथ जल बचत के उपाय व अनिवार्यता के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के कारण तापमान बढ़ रहा है जिससे जलवायू परिवर्तन हो रहा है और वर्षा कम हो रही है या अति वर्षा होती है। देश के 5723 जल ब्लाकों में अधिकांश डार्क जोन में जा चुके हैं। उन्होंने जल बचत से स्वतः होने वाले बिजली बचत, धन बचत व विकास के बारे में भी प्रकाश डाला। प्रदूषण की रोकथाम, वृक्ष बचाने, स्वच्छता के लिए छोटे छोटे उदाहरणों से समझाते हुए उन्होंने जीवन में ऊंचा लक्ष्य रखकर आगे बढ़ने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

उन्होंने जल चालीसा लिखा जिसकी अब तक 55000 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और 8-10 लाख लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी है। इस अवसर पर भारत विकास परिषद् सिरसा के शाखाध्यक्ष रमेश जीन्दगर, सचिव सूर्य प्रकाश शर्मा, पर्यावरण संयोजक सुशील गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार गुरजीत मान व विद्यालय प्रबन्धन के विवेक यादव, सर्वोतम शर्मा, प्राचार्या अनिता यादव सहित शिक्षकवृन्द व 2000 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित थे।

अभियान की 11वीं वर्षगांठ
पर सम्मानित 6 मई 2019

श्री मनोहर लाल, श्री सीएम हरियाणा को सिरसा में जल चालीसा भेंट

सित० 2019

भिवानी, 11 सितम्बर, 2019 2

जल स्टार रमेश गोयल ने सीएम को जल चालीसा भेंट की

सिरसा (पूपंस) । जन आशीर्वाद यात्रा के सिरसा आगमन के दौरान माननीय मुख्यमन्त्री ने विश्राम गृह सिरसा में कई योजनाओं का शिलान्यास/उद्घाटन किया। पर्यावरणविद् एंव जल स्टार रमेश गोयल ने माननीय मुख्यमन्त्री श्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त किया और उन्हें जल चालीसा भेंट की। जल चालीसा देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय मुख्यमन्त्री ने उन्हें बाद में मिलने को कहा। उल्लेखनीय है कि श्री गोयल को इसी सप्ताह ही पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय हरियाणा सरकार द्वारा भारत सरकार वैटलैंड (आर्दभूमि) संरक्षण एवं प्रबन्धन) नियम 2017 अधीन गठित राज्य स्तरीय तकनीकी समिति का सदस्य नामित किया गया है।

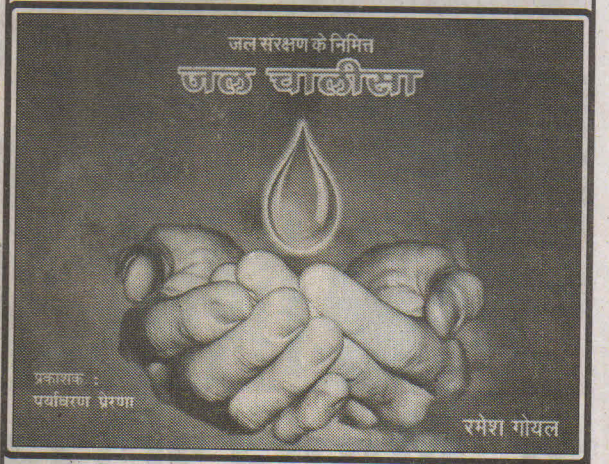

मिशन भाव से कार्यरत श्री गोयल द्वारा रचित 'जल चालीसा', जो जल संरक्षण का पूर्ण सन्देश है और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त

कर चुकी है, की अब तक 55000 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं और लगभग 10 लाख लोगों को सोशल मिडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी है। अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने भी जल चालीसा प्रकाशित की है। अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज चैनल डीडी न्यूज ने 2015 में इस पर विशेष फीचर प्रसारित किया था। जल चालीसा के विडियो का विमोचन ऊड़ीसा के राज्यपाल श्री गणेशी लाल ने किया था। साढ़े तीन लाख विज्ञप्तियां विद्यार्थियों व संस्थाओं के माध्यम से परिवारों मे पहुंचा चुके हैं तथा 2x3 फुट के 1500 से अधिक व लगभग 100 बड़े जल बचत प्रेरक बैनर देश के अनेक प्रान्तों में शिक्षण संस्थानों, मन्दिरों व सार्वजनिक स्थानों पर लगवा चुके हैं।

खबर फास्ट पर अनेक बार जल संरक्षण के लाइव कार्यक्रमों में भाग ले चुके श्री गोयल 2010-11 से निरन्तर दूरदर्शन हिसार, दूरदर्शन नैशनल दिल्ली, डीडी न्यूज, डीडी किसान, सारथी, जनता, दिशा, हरियाणा न्यूज, सीपीएन न्यूज, संस्कृति, पारस आदि चैनलों के माध्यम से अपनी बात जनता तक पहुंचाते रहे हैं। जल-ऊर्जा संरक्षण अभियान को प्रिंट मिडिया व इलैक्ट्रोनिक मिडिया निरन्तर बहुत उजागर करती है। खबर तह तक, पल पल न्यूज, पूर्वी पंजाब, मुम्बई की सोशल पोस्ट आदि ने महत्व प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि भारत विकास परिषद् की राष्ट्रीय सेवा समिति के सदस्य श्री गोयल न केवल समर्पित भाव से जल संरक्षण में लगे हैं बल्कि पौधारोपण व वृक्ष बचाने, जल व ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम व स्वच्छता के निमित छोटी छोटी बातों से जनता को पर्यावरण एवं जल संरक्षण का सन्देश समय समय पर देते रहते हैं और लगभग एक करोड़ लोगों तक प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष जागरुकता सन्देश पहुंचा चुके हैं।

जल बचत को जीवन का हिस्सा बनाना होगा : गोयल

पल पल न्यूजः सिरसा, 1 दिसंबर। सिरसा में हिसार रोड स्थित जीडी गोयनका स्कूल में विद्यार्थियों को जल की महत्ता, कमी के कारणों, बचत की आवश्यकता तथा उपाय के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से जल संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय सेवा समिति सदस्य तथा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय हरियाणा की तकनीकी समिति के सदस्य जल स्टार रमेश गोयल मुख्य अतिथि थे। संस्थान के चेयरपर्सन मुरारी लाल बंसल ने अध्यक्षता की। विद्यालय प्राचार्या डॉ. पूनम मोंगा ने संस्था के एमडी डॉ. सुरेंद्र गोयल, भाविप पर्यावरण संयोजक

शेष पेज 2 पर...

रमेश गोयल ने एफएम पर बताया योग व पर्यावरण का महत्व

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 जुलाई। भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय मंत्री व भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला संरक्षक रमेश गोयल ने रेडियो स्टेशन एफएम 90.4 पर दोपहर एक से दो बजे सीधे प्रसारण में 'योग व पर्यावरण का महत्व' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि योग मनुष्य की रोग प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाता है जिससे वह निरन्तर स्वस्थ रह सकता है। महर्षि पतंजली द्वारा प्रतिपादित योग को प्रभु रामलाल, आचार्य मुलखराज व उनके शिष्य स्वामी देवी दयाल ने आगे बढ़ाया। देवी दयाल ने 1951 में रोहतक में पहला योगाश्रम स्थापित किया था और ऐसे अनेक योगाश्रम देश में उनके अनुनायियों द्वारा आज भी चलाए जा रहे हैं। व्यवसायिक रूप में अनेक योग केन्द्र वर्षों से विश्व भर में चल रहे हैं परन्तु बाबा रामदेव ने योग को निःशुल्क व बड़े स्तर पर तथा टीवी के माध्यम से

एफएम पर योग व पर्यावरण के संबंध में विचार प्रकट करते रमेश गोयल।

प्रचारित करके इस दिशा में एक क्रांति ला दी और जन जन को स्वस्थ रहने के लिए योग क्रिया से जोड़ दिया और उसी का परिणाम है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योग संबंधी प्रस्ताव को विश्व स्तर पर संयुक्त राष्ट्र में इतना प्रबल समर्थन मिला और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दुनिया भर में लगभग 2 अरब लोगों ने एक साथ योग किया। गोयल ने बताया कि योग वास्तव में रोग की दवा नहीं बल्कि रोग ना हो उसका प्रबन्धन है। इस दौरान उन्होंने स्वस्थ वातावरण के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि वायु, जल, उर्जा प्रदूषण से तथा गंदगी से बिमारियां फैलती हैं और मनुष्य को हानि पहुंचाती हैं। इससे व्यक्ति की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और चिकित्सा व्यय होता है व परिजनों को परेशानी होती है। इससे बचने के लिए हमें स्वच्छता पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति यह संकल्प करे कि खुले में कूड़ा-कर्कट नहीं डालेगा। जल स्त्रोत नदी तालाब आदि में कोई गंदगी नहीं डालेगा तथा प्रदूषण रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास करेगा। गोयल ने बताया कि योग और पर्यावरण दोनों की ओर ध्यान देने वाला व्यक्ति निश्चित रूप से न केवल अपने व अपने परिवार का हित करता है बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति भी अपना कर्त्तव्य पालन करता है। उन्होंने विस्तार से जीवन को स्वस्थ रखने व पर्यावरण शुद्ध रखकर बिमारियों से बचने पर चर्चा की। इस चर्चा में प्रोफेसर सेवा सिंह बाजवा भी शामिल रहे।

दैनिक पल पल 8/7/15

---

25 मार्च 2015

फतेहाबाद, बुधवार, 25 मार्च 2015 | 6

एफएम 90.4 के श्रोताओं को सिखाए जल बचत के गुर

पल पल न्यूज: सिरसा, 25 मार्च। विश्व जल दिवस 2015 के उपलक्ष्य में चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में स्थित सामुदायिक रेडियो स्टेशन पर आज भावि के पर्यावरण के राष्ट्रीय मंत्री व जल स्टार रमेश गोयल ने 90.4 एफएम के श्रोताओं को जल का महत्व बताते हुए उन्हें जल बचत के गुर सिखाए। रमेश गोयल ने कहा कि आधुनिकरण की ओर अग्रसर सभ्यता व बढ़ती जनसंख्या के कारण जंगल कम होते जा रहे हैं। मशीनिकरण से प्रदूषण व तापमान बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा कम हो रही है जिससे नदियों में जल घटता जा रहा है। नदियों में कूड़ा कर्कट, गंदगी, जहरीला कचरा डाला जा रहा है। जल आपूर्ति के लिए नलकूपों द्वारा अधिक भूजल दोहन के कारण भू-जल स्तर गिरता जा रहा है। देश के 5723 जल ब्लॉक में अधिकांश तेजी से डार्क जोन में होते जा रहे है। पूरे विश्व में घोर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है और प्राणी का जीवन खतरे में पड़ रहा है। पानी की बर्बादी न करते हुए, वर्षा जल संग्रहण, वाटर हारवैस्टिंग व रिचार्जर के द्वारा पानी की कमी को कम किया जा सकता है। उन्होंने जल बचत की अपील करते हुए छोटे छोटे उपायों पर प्रकाश डाला और बताया कि यदि हमने अभी से जल बचत दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं बनाया तो भविष्य में भयावह स्थिति से बच नहीं पाएंगे, जो भावी पीढ़ी के लिए बड़ी मुसीबत बनेगी। प्रदीप कुमार ने रेडियो स्टेशन की ओर से एकरिंग की।

पॉलिथीन पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत हानिकारक है : धींगड़ा

पल पल न्यूज: सिरसा, 22 जून। राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा की सिरसा शाखा की ओर से व्यर्थ का सदुपयोग मिशन व सिंगल यूज पलासटिक प्रयोग रोकने के अधीन थैली छोड़ो थैला पकड़ो अभियान शुरू किया गया है जिसका शुभारंभ विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2021 को उपायुक्त अनीश यादव तथा संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल के करकमलों द्वारा किया जा चुका है। शाखाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह धींगड़ा ने बताया कि हम नया सुंदर व मजबूत थैला संस्था की ओर से लोगों को इस विश्वास व संकल्प के साथ देने जा रहे हैं कि वे उसका अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे और पोलिथिन थैलियों का प्रयोग नहीं। इसके साथ ही नगर वासियों से विनम्र निवेदन किया है कि वे थैला बनने योग्य कोई कपड़ा नया या पुराना उनके पास हो तो संस्था को दान करें। जो भाई या बहिनें थैला सील सकते हों वह किसी भी साइज में थैला सील कर दें। हम पॉलिथीन हटाने के लिए इस थैले को भी लोगों को देंगे ताकि वह पॉलिथीन के बजाय थैले में सामान लेकर जाएं। पॉलिथीन में सामान डाल डाल कर थैले में नहीं डालें बल्कि सीधा सामान थैले में डालें जैसे सब्जियां, फल या और ऐसी अनेक वस्तुएं जिन्हें अलग-अलग ले जाने की आवश्यकता नहीं है। वे एक ही थैले में आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि आप सबके सहयोग से ही अपने शहर को पॉलिथीन मुक्त करने में सक्षम होंगे। पॉलिथीन पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए बहुत हानिकारक है। संस्था द्वारा आपको जो थैला दिया जाए उसे अपने, अपने परिवार व समाज के हित में अवश्य प्रयोग करें तथा पोलीथिन थैलियों को पूर्ण रूप से नकार दें। उन्होंने एक और अपील की कि यदि आप पहनने योग्य पुराने कपड़े देंगे जो आपके लिए व्यर्थ है तो हम व्यर्थ का सदुपयोग योजना अधीन उन्हें जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने की व्यवस्था करेंगे। आप जो भी सहयोग करना चाहें उसे निम्नलिखित स्थानों में से किसी एक पर पहुंचा सकते हैं या नीचे दिए गए फोन नंबर पर फोन करके सूचना दे सकते हैं या व्हाट्सएप कर के अपने पते सहित सूचना दें।

सिरसा में 2450 वर्ग गज भूमि पर बनेगा पर्यावरण भवन व मेडिकल डिस्पेंसरी

पल पल न्यूज: सिरसा, 5 जुलाई। पौधारोपण व वृक्ष रक्षण, जल-ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, सिंगल यूज पोलिथिन मुक्त भारत व स्वच्छता के निमित्त राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के तत्वावधान में सिरसा नगर में विशाल पर्यावरण भवन (ग्रीन हाउस) के साथ साथ व्यर्थ सामान के सदुपयोग के कई अलग अलग प्राजैक्ट लगाने व प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने, वर्षा जल संग्रहण सिस्टम, क्षेत्र के लोगों के स्वास्थय के लिए मेडिकल डिस्पेंसरी, फिजियोथरेपी सैन्टर आदि के लिए कंगनपुर रोड पर 2450 वर्गगज भूमि निश्चित की गई है। सिरसा के प्रतिष्ठित समाजसेवी व राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जल स्टार रमेश गोयल जिन्हें भारत सरकार के जल शक्ति मन्त्रालय द्वारा 2020 में वाटर हीरो अवार्ड दिया गया था, के प्रयास से यह सब सम्भव होने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने लगभग 21 लाख रूपये मूल्य की अपनी 600 गज भूमि संस्था को दान देकर पहल की है। गोयल द्वारा पर्यावरण प्रेरणा संस्था का शुभारम्भ 2007-08 में किया गया था और 2016-17 में इसे राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया गया। देश के 9 प्रान्तों में संस्था की शाखाएं व प्रान्तीय इकाईयां कार्यरत हैं जिनमें महाराष्ट्र प्रान्त सर्वश्रेष्ठ है। पर्यावरण प्रेरणा न केवल आयकर अधिनियम अधीन पंजीकत है बल्कि आयकर की धारा 80जी अधीन छूट प्राप्त भी है यानि संस्था को दान देने वाले व्यक्ति को आयकर में छूट भी मिलेगी।

महिला-पुरुषों को मिलेगा रोजगार

उन्होंने बताया कि यहां चलने वाले प्राजैक्ट से जहां अनेक महिला पुरूषों को रोजगार मिलेगा वहीं यहां पर मिलने वाले प्रशिक्षण व्यर्थ का सदुपयोग- बहुत बड़ा उद्योग, के द्वारा अनेक लोगों द्वारा स्वरोजगार यूनिट स्थापित किए जा सकेंगे जिससे उनकी आर्थिक सम्पन्नता के साथ साथ क्षेत्र के पर्यावरण को बहुत लाभ मिलेगा। संस्थान द्वारा चिकित्सा डिस्पैंसरी व फिजियोथरेपी केन्द्र के माध्यम से निःशुल्क या न्यूनतम शुल्क पर चिकित्सा किए जाने से क्षेत्र के वंचित व असहाय परिवारों को बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि लाकडाउन खुलने के बाद अब जल्दी ही इसके शिलान्यास व निर्माण कार्य शुभारम्भ करने का कार्यक्रम निश्चित किया जा रहा है।

संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश गोयल ने बताया कि उनका एक जीवित सपना था कि इतना बड़ा संस्थान पर्यावरण व स्वास्थ्य के निमित बने जिसे देखकर समाज के लोग व विद्यार्थी पर्यावरण व जल संरक्षण की प्रेरणा ले सकें और ➤शेष पेज 2 पर...